ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुख पत्र

वर्ष 43, अंक 16, एक प्रति : 5 रु०
सोमवार 24 फरवरी 2020 से रविवार 1 मार्च 2020
विक्रमी सम्वत् 2076 सृष्टि सम्वत् 1960853120
दयानन्दाब्द : 197 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 4
फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें - www.thearyasamaj.org/aryasandesh

(सीएए) के विरोध में जारी विनाशकारी हिंसा पर आर्य समाज द्वारा शांति की अपील

पूर्वी दिल्ली भड़की हिंसा में शहीद हेडकांस्टेबल रतनलाल और आई-बी कर्मचारी अंकित शर्मा सहित सभी मृतकों की आत्मा की शांति के लिए किया गया यज्ञ

आर्यसमाज द्वारा भारत सरकार से दंगियो के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की अपील

नागरिकता कानून के विरोध में मुस्लिम समाज द्वारा 11 दिसम्बर से दिल्ली के शाहीन बाग से लेकर देश भर में विरोध प्रदर्शन का दौर जारी था। हालाँकि इसके लिए भी आर्य समाज ने जहाँ एक तरफ नागरिकता कानून का शांतिपूर्ण ढंग से समर्थन किया वहीं दूसरी ओर उग्र प्रदर्शनकारियों को सही दिशा प्रदान करने की कोशिश भी की गयी।

इस कार्य के लिए दिल्ली की समस्त आर्य समाजों का योगदान रहा किन्तु 22 फरवरी की रात से यमुनापार में कई जगहों पर दूसरा शाहीनबाग खड़ा करने के चक्कर में नागरिकता कानून के खलिफ मुसलमानों के जुटने की खबरें आईं। ये सारा जमावड़ा दिल्ली के यमुनापार इलाके में हो रहा था। करीब पांच किलोमीटर में फैले इस क्षेत्र को आप कुछ यूं समझ सकते हैं। दिल्ली के कश्मीरी गेट से सात किलोमीटर दूर सीलमपुर है। इसी से सटा है जाफराबाद. फिर आता है मौजपुर, जिसके बगल में है बाबरपुर। इसी सड़क से आगे बढ़ने पर आता है यमुना विहार और दाएं मुड़ने पर गोकुलपुरी और बाएं मुड़ने पर करीब दो-तीन किलोमीटर की दूरी पर आता है भजनपुरा। ये सारे इलाके मिक्स आबादी वाले हैं. यहां हिंदू, मुसलमान और सिख रहते हैं। 22 फरवरी को इन इलाकों में जब लोग सड़क पर उतरे तो रास्ता बंद होने की वजह से आम लोगों को दिक्कतें होनी शुरू हो गईं। ट्रैफिक लगभग ठप हो गया। रविवार सुबह से नागरिकता कानून के समर्थकों और आम लोगों की तरफ से रास्ता बंद किए जाने पर प्रतिक्रियाएं और आपत्ति जाहिर की जाने लगीं। लोगों का कहना था कि दिल्ली में दूसरा शाहीन बाग नहीं बनने देंगे। बच्चों के बोर्ड एग्जाम हैं, दिक्कतें हो रही हैं। जब लोगों ने इस धरने का विरोध किया तो धर्म विशेष से जुड़े लोग हमलावर हो उठे और देखते देखते हिंसा का खेल शुरू हो गया। इस विनाशकारी षड्यंत्र में अराजक तत्वों ने दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल और आई. बी. के कर्मचारी अंकित शर्मा की हत्या तक कर दी। इसके अलावा अभी तक मिली जानकारी के अनुसार ढाई दर्जन से अधिक लोगों को मौत के घाट उतार दिया। पूरे क्षेत्र में अशांति और तनाव व्याप्त कर दिया। पेट्रोल पम्प से लेकर सैकड़ों गाड़ियों के अलावा मकानों और दुकानों को भी जलाकर राख कर दिया।

इन तमाम दुखद घटनाक्रमों के प्रति आर्य समाज अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है और मृतकों के परिवारों के प्रति ईश्वर से प्रार्थना करता है कि परमात्मा उन सभी लोगों को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करें। मृतकों की आत्मा की शांति के लिए दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा कार्यालय में विशेष शांति यज्ञ का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे। आर्य समाज भारत सरकार से अपील करता है कि इस दुखद घटनाक्रम की उचित कार्यवाही कर दोषियो को दण्ड देकर मृतकों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करे और जिससे आने वाले समय में कोई भी इस तरह की गलती करने से पहले सौ बार साचे।

विनाशकारी आग लगाते, पत्थर मारते असामाजिक तथा विध्वंश कारी भीड़

मृतकों की आत्मा की शान्ति के लिए यज्ञ करते आर्यजन

आई-बी कर्मचारी अंकित शर्मा और हेडकांस्टेबल रतनलाल की फाइल फोटो

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के 196वें जन्मोत्सव एवं बोधोत्सव पर भारत के कोने कोने में और विदेशो में आयोजित कार्यक्रमों के पूर्ण समाचार एवं चित्र आगामी आर्य सन्देश में विस्तार से प्रकाशित किए जायेंगे..... -सम्पादक

वेद-स्वाध्याय

मुझे सबका प्यारा बनाओ

प्रियं मा कृणु देवेषु प्रियं राजसु मा कृणु।
प्रियं सर्वस्य पश्यत उत शूद्र उतार्ये।। -अथर्व० 19/62/1
ऋषिः-ब्रह्मा।। देवता-ब्रह्मणस्पतिः।। छन्दः-अनुष्टुप्।।

शब्दार्थ-हे प्रभो! **मा**=मुझे **देवेषु**=देवों में (ब्राह्मणों में) **प्रियं कृणु**=प्यारा करो **मा**=मुझे **राजसु**=राजाओं में (क्षत्रियों में) **प्रियं कृणु**=प्यारा करो, **सर्वस्य पश्यतः**=सब देखनेवालों का भी **प्रियम्**=प्यारा करो, **उत शूद्रे**=शूद्र में भी और **उत आर्ये**=आर्य में भी, सबमें, मुझे प्यारा बनाओ।

विनय-हे मेरे प्यारे प्रभो! तुम मुझे सबका प्यारा बनाओ। मै। यदि सचमुच तुम्हारा प्यारा बनना चाहता हूँ तो मुझे तुम्हारे इस सब जगत् का प्यारा बनना चाहिए। तुम तो इस जगत् में सर्वत्र हो, छोटे-बड़े, ऊँचे-नीचे सभी प्राणियों में मन्दिर बनाकर बसे हुए हो। यदि इन रूपों में मैं तुमसे प्यार न कर सकूँ तो मैं तुम्हें प्यारा कहके क्योंकर पुकार सकूँ? ये सांसारिक लोग बेशक अपने से बड़ों, बलवानों, धनवानों और प्रतिष्ठावालों के ही प्यारे बनना चाहते हैं, अपने से छोटों, गरीबों, दलितों और असहायों के प्यारे बनने की कोई आवश्यकता नहीं समझते। ये बेशक अपने राजाओं और स्वामियों का प्रेम पाना चाहते हैं, किन्तु अपनी प्रजा और नौकरों का प्रेम पाने की कभी इच्छा नहीं करते, परन्तु इसी में तो तुम्हारे सच्चे प्रेमी होने की परीक्षा होती है, क्योंकि इन गरीबों, पीड़ितों असहायों का प्रेम चाहना ही असल में तुमसे प्रेम करना है। बलियों, धनियों और राजाओं से प्रेम की इच्छा करना तो सांसारिक बल से, सांसारिक धन से, सांसारिक प्रभुत्व से प्रेम करना है, तुमसे प्रेम करना नहीं है। इसलिए मुझे तो तुम जहाँ देवों और राजाओं का प्यारा बनाओ, वहाँ इन सब देखनेवाले सामान्य लोगों का तथा नौकरों और सेवकों का भी प्यारा बनाओ। जहाँ ब्राह्मणों और क्षत्रियों का प्यारा बनाओ वहाँ इस सामान्य प्रजाओं (वैश्यों) और शूद्रों का भी प्यारा बनाओ। शूद्रों और आर्यों का, नीचों और ऊँचों का, शिष्यों और गुरुओं का, सेवकों और स्वामियों का, अधीनों और अधिकारियों का, सब छोटों और बड़ों का मुझे प्यारा बनाओ। मुझे ऐसा बनाओ कि इस संसार में जो कोई मुझे देखे, मेरे सम्पर्क में आये, वह मुझसे प्यार करे। हे प्रभो! मैं तो तुम्हारे इस सब संसार से प्रेम की भिक्षा माँगता हूँ, क्योंकि मैं देखता हूँ कि जबतक मैं तुम्हारे इस छोटे-बड़े समस्त संसार से प्रेम नहीं करूँगा तबतक, हे मेरे प्यारे! मैं कभी तुम्हारे प्रेम का भाजन न हो सकूँगा, तुम्हारे प्रेम का अधिकारी न बन सकूँगा।

-: साभार :-
वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिमि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्मन के लिए आज ही अपना आदेश मो नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

महर्षि के जन्मोत्सव पर सफल आयोजन की सभी आर्यजनों को बधाइ

"विश्व व्यापी आर्य समाज की समस्त उपलब्धियों के प्रेरणाप्रद आधार महर्षि दयानंद सरस्वती जी का 196वाँ जन्मोत्सव केवल भारत के कोने-कोने में ही नहीं विदेशों में भी हर्षोल्लास से मनाया गया, महर्षि के जन्मोत्सव और बोधोत्सव को भव्य और विशाल तथा व्यापक रूप से मनाने के लिए मैं सभी प्रांतीय सभाओं , आर्य समाजों और विशेष रूप से दिल्ली के समस्त आर्य समाजों, वेद प्रचार मंडलों, शिक्षण संस्थाओं को बधाई देता हूं।"

आगामी दिल्ली सभा द्वारा आयोजित आर्य परिवार मंगल मिलन समारोह के लिए सबको सपरिवार सादर पधारने का आमंत्रण देता हूं, आईए सब मिलकर मनाएं, खुशियों की होली, फूलों की होली, सभी को बहुत-बहुत शुभ कामनाएं।

महर्षि दयानंद सरस्वती के 196वें जन्मोत्सव को लेकर विश्व व्यापी आर्य समाज में चारों तरफ उमंग, उत्साह और उल्लास व्याप्त था। प्रत्येक आर्य व्यक्ति, परिवार, समाज, आर्य शिक्षण संस्थानों में स्कूल, कॉलेज, विद्यालय, गुरुकुल, कन्या गुरुकुल, आर्य अनाथालय एवं अनेक अन्य आर्य प्रतिष्ठानों द्वारा जो भी राष्ट्र एवं मानव सेवा-साधना के कार्य किए गए सबके प्रयास प्रसंशनीय हैं। विश्व व्यापी आर्य समाज की समस्त उपलब्धियों के प्रेरणाप्रद आधार महर्षि दयानंद सरस्वती ही हैं। ऋषिवर देव दयानंद का जन्म 12 फरवरी 1824 को गुजरात प्रांत के टंकारा में उस समय हुआ जब भारत में चारों और अंधेरा ही अंधेरा था। अज्ञान -अविद्या का अंधेरा, भारत माता की परतंत्रता का अंधेरा, कुरीतियां, ढोंग-पाखण्ड और आडंबरों का अंधेरा, जातिवाद-छुआछूत, ऊंच-नीच के भेदभाव का अंधेरा, नारी जाति के अपमान और तिरस्कार का अंधेरा, उस समय मनुष्य जाति अंधेरों से अंधेरों की ओर ही बढ़ती जा रही थी। मानवीय मूल्यों का लगातार ऐसा ह्रास हो रहा था। मनुष्य की सोचने-समझने की शक्ति शिथिल हो रही थी। भीड़ के पीछे चलने की आदत इतनी प्रबल हो गई थी कि मनुष्य जहां कोई कहे वहीं सिर झुकाता फिरता था। जोश में होश का अभाव इस कदर व्यापक था कि गंगा गए तो गंगादास और यमुना गए तो यमुनादास, मनुष्य की विवेक शक्ति शून्य-सी हो गई थी।

ऋषिवर देव दयानंद ने वेद ज्ञान का सूर्य बनकर अंधेरों को दूर भगाया, वेदों का ज्ञान देकर सत्य का मार्ग दिखाया, मानव मात्र को जीवन का लक्ष्य और उद्देश्य बताया, वैदिक धर्म, संस्कृति और संस्कारों का सबको पाठ पढ़ाया, मनुष्य मात्र को सिर उठाकर जीना सिखाया, सच्चे ईश्वर की उपासना का रहस्य बताकर मनुष्य को मनुष्य होने का गौरव महसूस कराया। सारे अंधेरों को दूर करके एक नए युग का निर्माण किया। देश को स्वतंत्र कराया, कुरीतियों और पाखण्ड के अंधेरों से मनुष्य को उबार कर सन्मार्ग की राह दिखाई। सती प्रथा, बालविवाह पर रोक लगाई,विधवाओं का उद्धार कराया, चार वर्ण और चार आश्रम की प्राचीन वैदिक संस्कृति से सबको परिचित कराया। महर्षि दयानंद के इन महान उपकारों को सारा संसार जानता है, लेकिन इन्हें यहां पर दोहराने का तात्पर्य केवल इतना है कि हम ऐसे लोकोपकारी, महान समाज सुधारक ऋषिवर के 196 वां जन्मोत्सव फाल्गुन कृष्ण 10, (दयानंद दशमी) विक्रमी सम्वत 2076, 18 फरवरी 2020 को इतनी धूमधाम से मनाया गया कि संपूर्ण विश्व में चहुं और ऋषि दयानंद की जय-जयकार गूंज उठे, इसके लिए सभी आर्य परिवार, समाज तथा संस्थाओं, भवनों को लाइटिंग से सजाया गया था, सार्वजनिक स्थानों, पार्कों में यज्ञों का आयोजन के आयोजन किए गए, ऋषिवर देव दयानंद के साहित्य एवं अन्य वैदिक साहित्य वितरण किए गए, भण्डारों/ऋषि लंगरों के वृहद आयोजन किए गए, विशाल शोभायात्रा, भजन संध्या इत्यादि रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए, केवल भारत के कोने-कोने में ही नहीं विदेशों में भी महर्षि का जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया, महर्षि के जन्मोत्सव और बोधोत्सव को भव्य और विशाल तथा व्यापक रूप से मनाने के लिए मैं सभी प्रांतीय सभाओं , आर्य समाजों और विशेष रूप से दिल्ली के समस्त आर्य समाजों, वेद प्रचार मंडलों, शिक्षण संस्थाओं को बधाई देता हूं और आगामी दिल्ली सभा द्वारा आयोजित आर्य परिवार मंगल मिलन समारोह के लिए सबको सपरिवार सादर पधारने का आमंत्रण देता हूं, आईए सब मिलकर मनाएं, खुशियों की होली, फूलों की होली, सबको बहुत-बहुत शुभ कामनाएं। *- सम्पादक*

वानप्रस्थी महानुभाव अपना विवरण भेजें

हमारे सभी आदरणीय आर्य समाजी महानुभावों के मन में वैदिक धर्म के अनुसार आश्रम व्यवस्था के प्रति अटूट निष्ठा प्रशंसनीय है। जीवन के तीसरे वानप्रस्थ आश्रम के लोग आर्य समाज की सेवा में तन-मन-धन से संलग्न हैं। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा उन समस्त महानुभावों से अनुरोध करती है जिन्होंने चाहे वानप्रस्थ दीक्षा ली हो या न भी ली हो किन्तु अगर उनके मन में आर्य समाज के प्रचार और सेवा कार्यों में रुचि है और वे महानुभाव महर्षि दयानन्द, आर्य समाज और वेद के प्रचार-प्रसार को आगे बढ़कर गति प्रदान करने लिए संकल्पित हैं। कृपया वे सभी सज्जनवृन्द अपना नाम, फोन नं., पता, योग्यता और अनुभव लिखकर **'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा- 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली- 110001'** के पते पर रजिस्र्ड डाक से भेजें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमेल अथवा 9650183339 पर व्हाट्सएप्प करें। *- महामन्त्री*

ओ३म्

दिल्ली की समस्त आर्यसमाजों की ओर से

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

के तत्त्वावधान में आर्य परिवार

होली

मंगल मिलन समारोह

फाल्गुन पूर्णिमा विक्रमी सम्वत् २०७६

स्थान : रघुमल आर्य कन्या सीनियर सैकेण्डरी स्कूल

राजाबाजार, कनॉट प्लेस (स्टेट्स एम्पोरियम के पीछे), शिवाजी स्टेडियम के पास, नई दिल्ली-1

सोमवार 9 मार्च, 2020

सायं 3-30 से 7-15 बजे

नवसस्येष्टि यज्ञ 3-30 बजे

पुष्पों द्वारा होली-मंगल मिलन एवं प्रीतिभोज : 7-15 बजे

विशिष्ट संगीत एवं हास्य रंग की प्रस्तुति

बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम

नोट : इस समारोह में भाग लेने वाले सबसे छोटी आयु के सदस्य, सबसे बड़ी आयु के सदस्य, सबसे बड़ी आयु के युगल एवं नव दम्पति को पुरस्कृत किया जायेगा।

होली मंगल मिलन के इस समारोह में आप सपरिवार इष्ट मित्रों सहित पधार कर समारोह की शोभा को बढ़ाएं तथा अन्य परिचित मित्रों एवं आर्य परिवारों को विशेष रूप से आमंत्रित करें

समारोह स्थल पर उपलब्ध सेवाएं

1. आर्य परिवारों के विवाह योग्य युवक-युवतियों का पंजीकरण 2. आर्य सन्देश की आजीवन सदस्यता में छूट
3. साहित्य विक्रय केन्द्र पर विशेष छूट 4. आर्य समाज के मीडिया सैन्टर का परिचय

निवेदक

धर्मपाल आर्य	विद्यामित्र ठुकराल	विनय आर्य	ओम प्रकाश आर्य	शिव कुमार मदान	मृदुला चौहान	अरुण प्रकाश वर्मा
प्रधान	कोषाध्यक्ष	महामन्त्री	उप प्रधान	उप प्रधान	उप प्रधान	उप प्रधान
9810061763	9810072175	9958174441	9911155285	9310474979	9310474979	9310474979

मन्त्री : शिव शंकर गुप्ता, सुरेन्द्र आर्य, सुरेशचन्द्र गुप्ता, सुखवीर सिंह आर्य, वीरेन्द्र सरदाना, कृपाल सिंह

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

15 हनुमान रोड़, नई दिल्ली-110001

Telephone : 011-23360150, 23365959 | 9540045898

E-mail : aryasabha@yahoo.com • website www. thearyasamaj.org

शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ दिल्ली के द्वारा आर्य गुरुकुल तिहाड़ ग्राम में 13 से 29 मार्च 2020 तक शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में भाग लेने वाले शिक्षकों को जो दिल्ली के बाहर दूर-दूर से आएंगे उनका मार्ग व्यय तथा दिल्ली भ्रमण नि:शुल्क कराया जाएगा। शिक्षकों की शौक्षिणक योग्यता कम से कम 12वीं कक्षा पास होनी चाहिए। स्त्री-पुरुष दोनों वर्ग के शिक्षक शिविर में भाग ले सकते हैं। *-नीरज आर्य, 9810102856*

वेद कथा का आयोजन

आर्य समाज चंदुनंगला, थाना रजपुरा, जिला सम्भल, उत्तरप्रदेश द्वारा 12 से 14 मार्च 2020 को प्रथम वार्षिक उत्सव पर भव्य वेद कथा वैदिक सत्संग समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रतिदिन यज्ञ, भजन और वेद कथा के आयोजन होंगे। कथाकार श्री संजीव रूप, गुधनी बदांयू, मुख्य अतिथि श्री अजीत कुमार उर्फ राजू यादव क्षेत्रीय विधायक, श्री जितेंद्र यादव पूर्व एम.एल.सी. भाजपा, विशिष्ठ अतिथि श्री गुलफाम सिंह यादव एवं श्री ओमवीर सिंह खड़क बंसी होंगे। इस अवसर पर आचार्य यशपाल शास्त्री, श्री सुनेहरी लाल यादव, श्री धूमसिंह शास्त्री, श्री सत्यपाल शास्त्री, डॉ. कुंवरपाल वायभूड, श्री महामूनि भागनगर जी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

आगामी कार्यक्रम

गुरुकुल सम्मेलन का आयोजन

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्य प्रतिनिधि सभा मुम्बई द्वारा वैदिक मिशन मुम्बई 20 से 22 मार्च 2020 तक पदमनी आर्ष कन्या गुरुकुल प्रताप नगर चितौड़गढ़ राजस्थान में गुरुकुल सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर स्वामी प्रणावानंद जी की अध्यक्षता में वैदिक सिद्धांतों का गहन अध्ययन, गुरुकुल शिक्षण प्रणाली का पारिवारिक, सामाजिक और राष्ट्रीय विकास में योगदान, आर्ष पाठ विधि का संरक्षण, गुरुकुलों का सुदृढ़ संगठन, सैद्धांतिक पाठयक्रम की आवश्यकता इत्यादि विषयों पर गहन चिंतन-मनन किया जाएगा। सम्मेलन के अध्यक्ष स्वामी प्रणावानंद जी होंगे। तथा विशिष्ठ अतिथियों में श्री सुरेशचंद्र आर्य जी, प्रधान सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, स्वामी धर्मानंद जी, संस्थापक एवं आचार्य गुरुकुल आमसेना, उड़ीसा, डॉ. रूपकिशोर जी, कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, डॉ. प्रवीण माथुर जी, निर्देशक शोधपीठ महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय अजमेर, श्री अशोक आर्य जी, कार्यकारी अध्यक्ष, सत्यार्थ प्रकाश न्यास उदयपुर, श्री प्रकाश आर्य, मंत्री, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री विनय आर्य जी, महामंत्री दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री अरुण अबरोल जी, मंत्री आर्य प्रतिनिधि सभा मुम्बई, श्री रमेश सिंह आर्य जी, मंत्री आर्य समाज शांताक्रुज मुम्बई, इत्यादि महानुभाव होंगे। इस अवसर पर आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

-सन्दीप आर्य (मंत्री)

ऋषि जन्मोत्सव एवं बोधोत्सव का आयोजन

आर्य समाज ए-ब्लाक जनकपुरी द्वारा 28 फरवरी से 1 मार्च 2020 तक ऋषि जन्मोत्सव एवं बोधोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर आचार्य देवेंद्र शास्त्री जी के ब्रह्मत्व में चतुर्वेद शतकम यज्ञ, श्री वसुनीत आर्य के मधुर भजन एवं आर्य तपस्वी सुखदेव वर्मा जी के प्रेरक प्रवचन होंगे। आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

-विरेन्द्र सरदाना (मंत्री)

शोक संवेदना

आचार्य ब्रह्मचारी नंदकिशोर जी का निधन

दिल्ली की समस्त आर्य समाजों, शिक्षण संस्थाओं एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि

महर्षि दयानंद की शिक्षाओं, आर्य समाज की सिद्धांतों, मान्यताओं और प्रचार-प्रसार को समर्पित आचार्य ब्रह्मचारी नंदकिशोर जी के 17 फरवरी 2020 को होशंगाबाद के केशव हास्पीटल में चिकित्सा के दौरान निधन से दिल्ली आर्य सभा को गहरा आघात लगा है। ब्रह्मचारी जी के जीवन का पल-पल आर्य समाज के उत्थान और विस्तार के लिए समर्पित था। ऋषि दयानंद के प्रति आपकी निष्ठा स्तुत्य एवं अनुकरणीय है। आपने अपने जीवन में कई प्रेरक पुस्तकों का लेखन एवं संपादन किया है, गुरुकुल की स्थापना की है और सदैव आर्य समाज के लिए ही आप जिए हैं। दिल्ली की समस्त आर्य समाजों, शिक्षण संस्थाओं और दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्य केंद्रीय सभा दिल्ली राज्य तथा पूरा आर्य समाज परिवार ईश्वर से प्रार्थना करता है कि दिवंगत पुण्य आत्मा को शांति, सद्गति प्रदान करे और आचार्य ब्रह्मचारी नंदकिशोर जी के प्रियजनों सहित हम सब को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

ओ३म्

भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण (द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)

सत्य के प्रचारार्थ

सत्यार्थ प्रकाश

सत्य के प्रचारार्थ

• प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
• विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
• स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन

कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट

427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6

Ph. :011-43781191, 09650522778

E-mail : aspt.india@gmail.com

सोमवार 24 फरवरी 2020 से रविवार 1 मार्च 2020
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान् रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2018-19-2020
नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 27-28/02, 2020
पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018-19-2020
आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 26 फरवरी, 2020

भारत के सांस्कृतिक सन्तुलन की रक्षा हम सब का दायित्व

इन पांच पुस्तकों को अवश्य पढ़ें

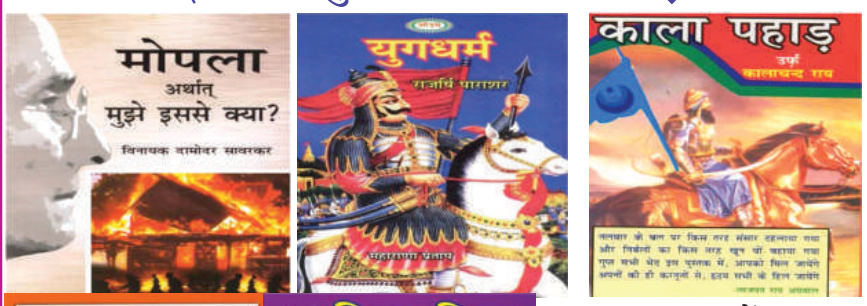

पुस्तकें
प्राप्ति हेतु सम्पर्क करें:
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा
15 हनुमान रोड,
नई दिल्ली-110001
मो. 9540403394

प्रतिष्ठा में,

खुशखबरी! खुशखबरी!!

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा

वर्ष 2020 का कैलेण्डर प्रकाशित

मूल्य 1200/-रुपये सैंकड़ा

200 से अधिक प्रतियां के आर्डर देने पर नाम से प्रकाशित करने की सुविधा अतिरिक्त शुल्क (300/- सैकड़ा) पर उपलब्ध है। सम्पर्क करें-

व्यवस्थापक, प्रकाशन विभाग
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा (पं.), 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली-1
दूरभाष : 011-23360150, मो. 09540040339

यज्ञ कुण्ड सैट प्राप्त करें

आओ जानें ! सत्य? असत्य?
आओ पढ़ें ! सत्यार्थ प्रकाश

अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली 2018 में 10,000 याज्ञिकों द्वारा एकरूप यज्ञ के विहंगम दृश्य आपने अवश्य देखा होगा। महासम्मेलन में प्रयुक्त किए गए यज्ञ कुण्ड सैट आपके परिवार, संस्था, समाज में प्रशिक्षण कार्यळम तथा दैनिक यज्ञ प्रेमियों के लिए उपलब्ध।

मूल्य मात्र 900/- रुपये

देश और समाज विभाजन के षड़यन्त्र का पर्दाफास

आओ! जानें मनुस्मृति का सच

स्वाळ्याय के लिए प्रक्षेप रहित संस्करण

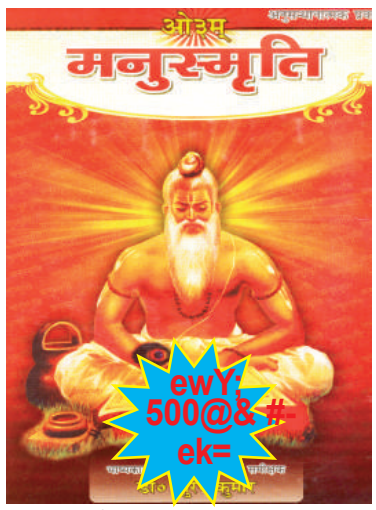

मनु के मौलिक आदेशों-उपदेशों का प्रसंगबद्ध वर्णन होने से स्वाळ्यायशील महानुभावों के लिए परम उपयोगी।

मूल्य : ~~600~~/- 500/-

प्राप्त करने हेतु सम्पर्क करें
वैदिक प्रकाशन, 15 हनुमान रोड,
नई दिल्ली-1, मो. 9540040339

दिल्ली आर्य प्रतिनिमि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री मर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से मुम्ति एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिमि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित
सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह